विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

वर्ष 38 अंक 206
पृष्ठ 18+4=22
लखनऊ, बुधवार
17 मई 2017
नगर संस्करण

जीएसटी का मुख्यालय गोमतीनगर में

88.74 करोड़ रुपये की लागत से तीन साल में तैयार होगी सात मंजिला इमारत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : जुलाई से प्रस्तावित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के लिए तैयारी शुरू करते हुए केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर ने सभी संबंधित विभागों को एक साथ लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। लखनऊ के गोमतीनगर में इसके लिए मंगलवार को भवन का शिलान्यास किया गया। हालांकि 88.74 करोड़ रुपये की लागत से यह भवन तीन साल में बन कर तैयार होगा।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित केंद्रीयकृत कर प्रणाली जीएसटी को लागू करने के साथ ही केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर से संबंधित सभी विभागों को ट्रेड, इंडस्ट्रीज व जनसुविधा के लिए एक स्थान पर लाने के उद्देश्य से गोमतीनगर के विभूतिखंड में 9768 वर्गमीटर क्षेत्रफल में कार्यालय भवन बनाया जाएगा। बड़े मंगल के मौके पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर परिक्षेत्र के मुख्य आयुक्त शिव नारायण सिंह ने इस भवन का शिलान्यास किया। भवन निर्माण का काम केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को दिया गया है। निर्माण की कुल प्रस्तावित लागत 88.74 करोड़ रुपये है।

मंगलवार को गोमती नगर में जीएसटी के नए भवन का शिलान्यास करते मुख्य आयुक्त केंद्रीय उत्पाद शुल्क व सेवाकर लखनऊ परिक्षेत्र शिव नारायण सिंह ● जागरण

इस भवन में केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर से संबंधित प्रधान मुख्य आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर, प्रधान आयुक्त (वस्तु एवं सेवा कर), आयुक्त (अपील आयुक्तालय), आयुक्त (ऑडिट आयुक्तालय), अपर निदेशक (निदेशालय वस्तु एवं सेवाकर सतर्कता), डीआरआइ, डीजीओवी, क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र (आरटीआइ), केंद्रीय नॉरकोटिक्स ब्यूरो और लखनऊ में स्थित अन्य संबद्ध विभागों के पदाधिकारियों व कर्मचारियों के कार्यस्थल के लिए सात मंजिल और वाहन पार्किंग के लिए दो भूमिगत तल प्रस्तावित हैं।

वर्तमान में इनमें से ज्यादातर कार्यालय किराए की इमारतों में संचालित किए जा रहे हैं। पूरी तरह से वातानुकूलित इस भवन में एक सभागार, स्ट्रांग रूम, जब्त किया गया सामान रखने के लिए वेयर हाउस, पूछताछ कक्ष और अभिलेखागार की व्यवस्था होगी। भूमिगत व भूतल पर लगभग 350 चौपहिया वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था प्रस्तावित है।

शिलान्यास कार्यक्रम में केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर आयुक्त वी.वाल्ते, आयुक्त सीमा शुल्क एसके शर्मा, एडीजी विजिलेंस विकास कुमार, एडीजी डीजीसीइआइ पीके सिंह, एडीजी सीपीडब्ल्यूडी अखिलेश कुमार, चीफ इंजीनियर सीपीडब्ल्यूडी प्रमोद कुमार सिंह तथा अन्य वरिष्ठ विभागीय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।